Peer Reviewed/ Refereed Journal

ISSN -PRINT-2231-3613ONLINE2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
Impact Factor SJIF=4.157

Received on 23th August 2019, Revised on 8th Sept. 2019; Accepted 13th Sept. 2019

शोध–पत्र

राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओंका आपदा प्रबंदन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

*डॉ. नीतु टॉक, *असिस्टेण्ट प्रोफेसर*
एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जयपुर
Email: nitutak7@gmail.com, , Mob: 9828244567

मुख्य शब्द– *आजीविका, संरचनात्मक ढांचा, आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम आदि।*

सारांश

आपदा एक मानव जनित अथवा प्राकृतिक विपत्ति जिससे निश्चित क्षेत्र में आजीविका तथा सम्पत्ति की हानि होती है, जिसकी परिणति मानवीय वेदना तथा कष्टों में होते है। भावी नागरिकों में आपदा प्रबंधन की जानकारी होना आवश्यक है बच्चे देश का भविष्य है। विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहॉ अधिकांश बालक अध्ययन के लिये जाते हैं। विद्यालय एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक ढांचा है जिसे भावी नागरिक बनाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती रही है। शिक्षक ही ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा भावी नागरिकों को आपदाओं से बचने के सुरक्षा के उपायों की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकती है। आज की परिस्थितियों में यह जानकारी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम की सामग्री अध्यापकों एंव विद्यार्थियों को विश्व को समझाने का आधार प्रस्तुत करती है। उनमें विशिष्ट कुशलताओं की आदतों का प्रशिक्षण देती हैं तथा उनमें अभिवृत्तियों तथा आदतों का विकास करती है।

समस्या कथन' राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित कक्षा नवमी के विद्यार्थियों का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण।

अध्ययन के उददेश्य

1.राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी निजी एंव शहरी सरकारी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

2.राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित भाहरी विद्याालयों की कक्षा नवमी के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्क्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1.राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी निजी एंव शहरी सरकारी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं है।

2.राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरन के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्यपन की परिसीमाएं

1. राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित अध्यापकों का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्यपन किया गया है।

2.प्रत्यक्षीकरण मापनी का प्रयोग आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण मापने हेतु किया गया है।

3.सांख्यिकी में सहसंबध टी–परीक्षण, प्रतिशत का प्रयोंग किया गया है।

अध्ययन विधि

अध्यपन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्यपन की जनसंख्या

प्रस्तुत अध्यपन में राजस्थान शिक्षा बोर्ड के कक्षा नवमीं को पढाने वाले 42 अध्यापकों को प्रतिदर्श हेतु चुना जाएगा।

शोध उपकरण– प्रत्यक्षीकरण मापनी का प्रयोंग आपदा प्रबंध पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण को प्रत्यक्षकरण मापनी तीन बिन्दु मापनी बनायी गया है। जिसमें निम्न स्तर का बिन्दु असहमत प्रदर्शित करता है। और उच्च स्तर का बिन्दु सहमत को प्रदर्शित करता है।

प्रदतों का विश्लेषण एंव निर्वचन

तालिका 1

राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी निजी एंव शहरी सरकारी विद्यालयों के कक्षा नवमीं अध्यापकों का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण

अध्यापन	N	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	टी –मूल्य
शहरी निजी विद्यालय अध्यापक	18	136.416	6.71	15.342
शहरी सरकारी विद्यालय अध्यापन	24	125.722	4.129	

0.05 विश्वास स्तर टी मान = 2.71 = 0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक

df = 40

उर्पयुक्त तालिका निजी एंव भाहरी सरकारी विद्यालयों की कक्षा नवमी के अध्यापकों का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण से सम्बंधित है। df 40 का टी तालिका मूल्य 0.05 तथा 0.01 स्तर पर क्रमशः 2.71 व 1.68 है। गणना करने पर टी का मान 15.342 पर प्राप्त हुआ है।

अतः निराकरणीय उपपरिकल्पना राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित निजी एंव शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण के प्राप्तांको के सार्थक मध्यमानों में अन्तर नहीं है अस्वीकृत की जाती है। इसका तात्पर्य है कि कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण के मध्यमानों में सार्थक अन्तर है। उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि निजी एंव शहरी सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों के मध्यमान क्रमशः 13.416 व 125.722 है जिससे यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बंधित शहरी निजी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक शहरी सरकारी के कक्षा नवमीं के अध्यापकों की तुलना में आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण अधिक रखते है।

तलिका 2

राजस्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बधित शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण

अध्यापक	N	मध्यमान (M)	मानक विचलन	
भाहरी पुरूश अध्यापक	24	136.42	6.171	15.342
भाहरी महिला अध्यापक	18	125.72	4.129	

0.05 विश्वास स्तर टी मान = 2.71 = 0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक

df = 40

उपर्युक्त तालिका शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण से सम्बंधित है। df=40 का टी– तालिका मूल्य 0.05 तथा 0.01 स्तर पर क्रमशः 2.71 व 1.68 है । गणना करने पर टी का मान 15.342 प्रात्त हुआ है। अतः निराकरणीय उपपरिकल्पना– राज्स्थान शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित भाहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्ययक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण के प्राप्तांको के मध्यमानों मे सार्थक अन्तर नहीं हैं

अस्वीकृत की जाती है। इसका तात्पर्य है कि कक्षा नवमीं के अध्यापक एंव अध्यापिकाओं का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण के मध्यमानों में सार्थक अन्तर है।

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पश्ट होती है भाहरी अध्यापक एंव अध्यापिकाओं के मध्यमान क्रमश 136.416 व 125.722 है जिससे यह स्पष्ट होता है। राजस्थान शिक्षा बोर्ड से संम्बधित भाहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापक अध्यापिकाओं की तुलना में आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण अधिक रखते है।

परिणाम

1.शहरी निजी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापकों भाहरी सरकारी विद्यालयों के कक्षा नवमीं के अध्यापाकों की तुलना में आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण उच्च है।

2.शहरी विद्यालयों की कक्षा नवमीं के अध्यापकों का अध्यापिका की तुलना में आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षीकरण उच्च है।

परिणाम की व्यवस्था एंव सुझाव

शहरी सरकारी विद्यालयों के कक्षा नवमीं के अध्यापकों का आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रति प्रत्यक्षी करण कम पाया गयाा अतः उनका प्रत्यक्षीकरण बढ़ाने के लिए उनके व्यवहारिक ज्ञान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

शहरी विद्यालय की अध्यापिकाओं का अध्यापकों की अपेक्षा प्रत्यक्षीकरण कम पाया गया है उन्हे प्रत्यक्षीकरण बढ़ाने के लिए समय पर मॉकड्रिल करवाकर अभ्यास करवाया जाए तथा कमियों को ढूंढ कर दूर किया जा सके।

संदर्भ

1.सिंह.आर 2012 पर्यावरण भूगोल, इलाहाबाद : प्रयाग पुस्तक भवन

2.आर.बी.सिंह 2009 नेचुरल हार्जद एण्ड डिजास्टर मैनेजमैन्ट, जयपुर रावत पब्लिकेशन

3.ओझा डॉ. डी.डी. आपदा प्रबंध पर्यावरण प्रबंध साईनिटफिक पब्लिशर्स इंडिया, जोधपुर

*** Corresponding Author:**
डॉ. नीतु टॉक, *असिस्टेण्ट प्रोफेसर*
एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जयपुर
Email: nitutak7@gmail.com, , Mob: 9828244567